

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड अ--उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 592] नई विल्ली, सोमवार, विसम्बर 3, 1984/अग्रहायन 24, 1906 No. 592] NEW DELHI, MONDAY, DEC. 3, 1984/AGRAHAYANA 24, 1906

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था की जाती हैं जिससे कि यह मजन संसक्तन के रूप में रका जासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

नर्ष विल्ली, 3 विसम्बर, 1984

अधिस्चना

का. था. 898(अ) . - कोन्द्रीय सरकार, जाय नियम, 1954 को नियम 4 अरोर 5 के साथ पठित काय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विश्वय मंत्रालय की अधिस्थाना सं. का. आ. 669(अ) तारीस 1 सितम्बर, 1984 का निम्नलिखिस संशोधन करती है, अर्थात :--

उक्त अधिस्चना में ''नाय एस्टेट तथा बागानों के कर्मनारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले क्यिक्त'' वीर्षक के नीचे कम सं. 5 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिसित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :---

> ''श्री दुर्गाप्य मुखर्जी', भारतीय मजबूर संघ, 10 किरण शंकर राव राव, कलकत्ता-700001 (पश्चिमी बंगाल)

> > [फा.सं. ई.-12012(1)/84-प्लांट (ए)] बी.सी.पांडे, अवर सांचन

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

New Delhi, the 3rd December, 1984

NOTIFICATION

S.O. 898(E).—In exercise of the powers conferred by subction (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 669 E, dated the 1st September, 1984, namely:—

In the said notification under the heading 'Persons representing employees of tea estates and gardens' for the entry against serial No. 5 the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Durgapada Mukherjee, Bhartiya Mazdoor Sangh, 10, Kiran Shankar Roy Road, Calcutta-700 001. (West Bengal)."

> [File No. E-12012(1)|84-Plant(A)] V. C. PANDEY, Addl. Secy.